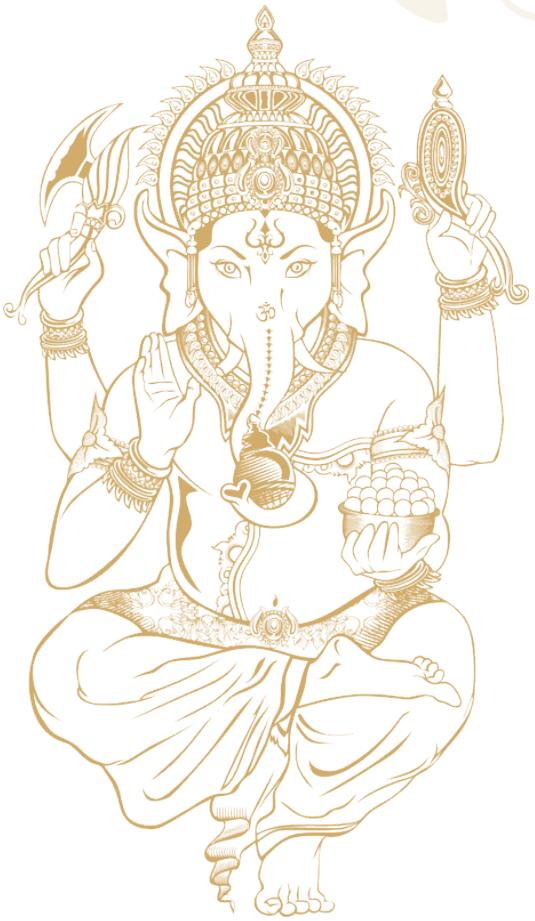

14 May 1982

12:15 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120882302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/05/1982**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:15:00 घंटे**
इष्ट	15:56:52 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:40:08 घंटे
वेलान्तर	00:03:42 घंटे
साम्पातिक काल	03:06:54 घंटे
सूर्योदय	05:52:15 घंटे
सूर्यास्त	19:10:30 घंटे
दिनमान	13:18:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:32:39 मेष
लग्न के अंश	27:30:27 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:30:27	317:54:04	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			मेष	29:32:39	00:57:53	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मक	07:53:38	11:56:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	06:48:47	00:01:52	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
बुध			वृष	19:41:46	00:33:14	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		तुला	09:36:19	00:06:49	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	17:22:11	01:08:02	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		कन्या	22:52:47	00:03:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु			मिथु	20:53:59	00:01:18	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु			धनु	20:53:59	00:01:18	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	09:25:22	00:02:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप	व		धनु	02:54:46	00:01:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	01:10:58	00:01:26	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			मेष	25:34:03	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:21

लग्न-चलित

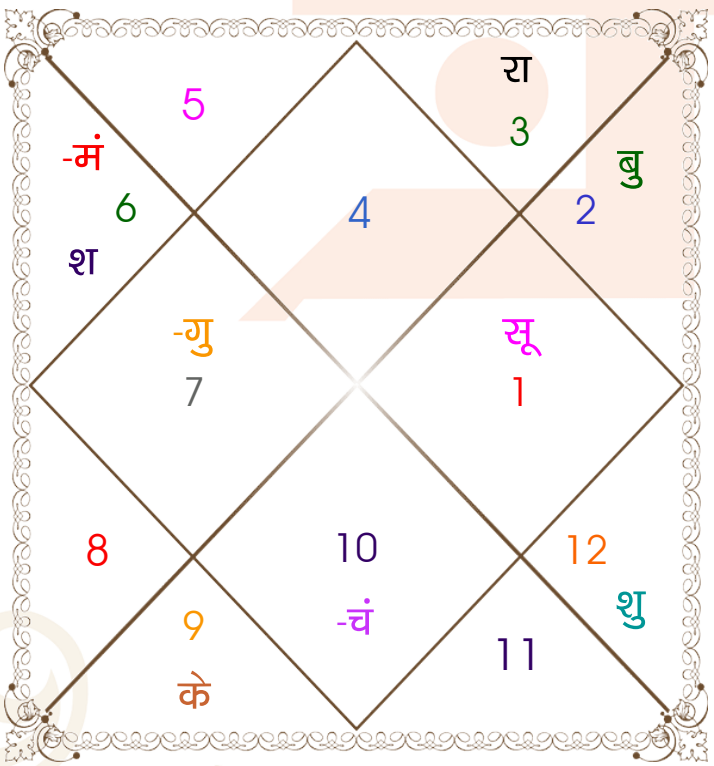

चन्द्र कुंडली

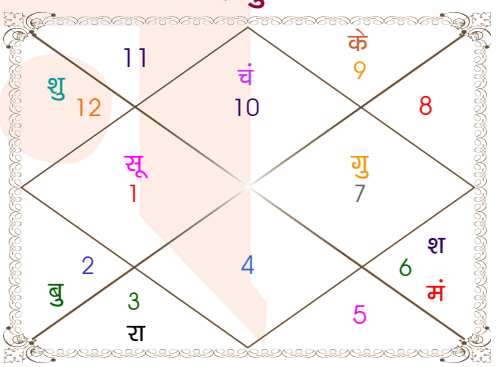

नवमांश कुंडली

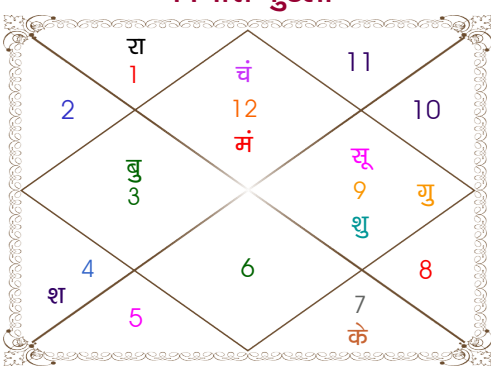

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 11 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/05/1982		25/04/1983		25/04/1993		24/04/2000		25/04/2018	
25/04/1983		25/04/1993		24/04/2000		25/04/2018		25/04/2034	
	00/00/0000	चंद्र	24/02/1984	मंगल	21/09/1993	राहु	06/01/2003	गुरु	12/06/2020
	00/00/0000	मंगल	24/09/1984	राहु	09/10/1994	गुरु	31/05/2005	शनि	24/12/2022
	00/00/0000	राहु	25/03/1986	गुरु	15/09/1995	शनि	06/04/2008	बुध	31/03/2025
	00/00/0000	गुरु	25/07/1987	शनि	24/10/1996	बुध	25/10/2010	केतु	07/03/2026
	00/00/0000	शनि	23/02/1989	बुध	21/10/1997	केतु	12/11/2011	शुक्र	05/11/2028
	00/00/0000	बुध	25/07/1990	केतु	19/03/1998	शुक्र	12/11/2014	सूर्य	24/08/2029
	00/00/0000	केतु	23/02/1991	शुक्र	20/05/1999	सूर्य	07/10/2015	चंद्र	24/12/2030
	14/05/1982	शुक्र	24/10/1992	सूर्य	24/09/1999	चंद्र	06/04/2017	मंगल	30/11/2031
शुक्र	25/04/1983	सूर्य	25/04/1993	चंद्र	24/04/2000	मंगल	25/04/2018	राहु	25/04/2034

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/04/2034		25/04/2053		25/04/2070		25/04/2077		25/04/2097	
25/04/2053		25/04/2070		25/04/2077		25/04/2097		15/05/2102	
शनि	28/04/2037	बुध	21/09/2055	केतु	21/09/2070	शुक्र	24/08/2080	सूर्य	12/08/2097
बुध	06/01/2040	केतु	18/09/2056	शुक्र	21/11/2071	सूर्य	24/08/2081	चंद्र	11/02/2098
केतु	14/02/2041	शुक्र	19/07/2059	सूर्य	28/03/2072	चंद्र	25/04/2083	मंगल	19/06/2098
शुक्र	15/04/2044	सूर्य	25/05/2060	चंद्र	27/10/2072	मंगल	24/06/2084	राहु	13/05/2099
सूर्य	28/03/2045	चंद्र	24/10/2061	मंगल	25/03/2073	राहु	25/06/2087	गुरु	02/03/2100
चंद्र	28/10/2046	मंगल	21/10/2062	राहु	13/04/2074	गुरु	23/02/2090	शनि	12/02/2101
मंगल	06/12/2047	राहु	10/05/2065	गुरु	20/03/2075	शनि	25/04/2093	बुध	19/12/2101
राहु	12/10/2050	गुरु	16/08/2067	शनि	27/04/2076	बुध	24/02/2096	केतु	26/04/2102
गुरु	25/04/2053	शनि	25/04/2070	बुध	25/04/2077	केतु	25/04/2097	शुक्र	15/05/2102

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।